# III. एक वैश्विक दुनिया का निर्माण

## 1. यूरोपीय साम्राज्यों का विस्तार

### अफ्रीका और एशिया में औपनिवेशिक शासन

- **मुख्य अवधारणाएँ**:
- **औपनिवेशिकता**: संसाधनों का शोषण और नियंत्रण स्थापित करने के लिए यूरोपीय शक्तियों का गैर-यूरोपीय क्षेत्रों में विस्तार।
- **औपनिवेशिक शासन**: यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा विदेशी क्षेत्रों पर सीधा राजनीतिक नियंत्रण।
- **उदाहरण**:
- **ब्रिटिश भारत**: ईस्ट इंडिया कंपनी और बाद में ब्रिटिश क्राउन के माध्यम से नियंत्रित।
- **फ्रेंच इंडोचाइना**: वियतनाम, लाओस और कंबोडिया फ्रांसीसी शासन के अधीन।
- **पुर्तगाली उपनिवेश**: एशिया में गोवा, मलक्का और मकाउ।
- **प्रभाव**:
- संसाधन निष्कर्षण (जैसे, रबर, चाय, मसाले) के माध्यम से आर्थिक शोषण।
- सांस्कृतिक थोपना (जैसे, अंग्रेजी शिक्षा, ईसाई धर्म)।

### अफ्रीका के लिए होड़ (1884–1885)

- **मुख्य अवधारणाएँ**:
- **बर्लिन सम्मेलन**: अफ्रीका को आपस में बाँटने के लिए यूरोपीय शक्तियों की बैठक।
- **औपनिवेशिक विभाजन**: यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में अफ्रीका का विभाजन।
- **होड़ के कारण**:
- **आर्थिक उद्देश्य**: कच्चे माल (जैसे, सोना, हीरे) तक पहुँच और नए बाजार।
- **तकनीकी श्रेष्ठता**: रेलवे, स्टीमशिप और हथियारों ने यूरोपीय वर्चस्व को सक्षम किया।
- **राष्ट्रीय प्रतिष्ठा**: साम्राज्यों का विस्तार करने के लिए यूरोपीय शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा।
- **प्रमुख घटनाएँ**:
- **कोंगो फ्री स्टेट**: किंग लियोपोल्ड II के अधीन बेल्जियम द्वारा नियंत्रित, क्रूर शोषण के लिए कुख्यात।
- **अफ्रीका का विभाजन**: अफ्रीका को 54 देशों में विभाजित किया गया, कई मनमानी सीमाओं के साथ।
- **परीक्षा युक्ति**: **बर्लिन सम्मेलन** (1884–1885) और औपनिवेशिकता को वैध बनाने में इसकी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करें।


© 2023-2025 Copyright SATHEE

## 2. औपनिवेशिकता और वैश्विक अर्थव्यवस्था

### रेलवे, टेलीग्राफ और नहरों की भूमिका

- **मुख्य अवधारणाएँ**:
- **अवसंरचना विकास**: यूरोपीय शक्तियों ने उपनिवेशों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए रेलवे, टेलीग्राफ और नहरों का निर्माण किया।
- **वैश्विक व्यापार नेटवर्क**: माल की आवाजाही को तेज और सस्ता बनाकर, उपनिवेशों को यूरोप से जोड़ा।
- **उदाहरण**:
- **भारत में ब्रिटिश रेलवे**: बॉम्बे जैसे बंदरगाहों को आंतरिक क्षेत्रों से जोड़ा, व्यापार को बढ़ावा दिया।
- **स्वेज नहर (1869)**: यूरोप और एशिया के बीच व्यापार मार्गों को छोटा किया।
- **प्रभाव**:
- **आर्थिक एकीकरण**: उपनिवेश कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता और निर्मित वस्तुओं के उपभोक्ता बन गए।
- **निर्भरता**: स्वदेशी अर्थव्यवस्थाएँ औपनिवेशिक हितों की सेवा के लिए रूपांतरित हुईं।

### स्वदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर प्रभाव

- **मुख्य अवधारणाएँ**:
- **नकदी फसल अर्थव्यवस्था**: उपनिवेशों को निर्यात के लिए नकदी फसलें (जैसे, चाय, कपास) उगाने के लिए मजबूर किया गया।
- **पारंपरिक प्रथाओं में व्यवधान**: सस्ते आयातों से प्रतिस्पर्धा के कारण स्वदेशी उद्योग (जैसे, हथकरघा बुनाई) में गिरावट आई।
- **उदाहरण**:
- **भारत का वस्त्र उद्योग**: ब्रिटिश वस्त्रों को प्राथमिकता देने वाली ब्रिटिश नीतियों के कारण गिरावट।
- **कोंगो की रबर अर्थव्यवस्था**: लियोपोल्ड II के अधीन जबरन श्रम और शोषण।
- **परीक्षा युक्ति**: **स्वावलंबी से नकदी फसल अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव** और इसके परिणामों को उजागर करें।

SATHEE

## 3. वैश्विक व्यापार में प्रौद्योगिकी की भूमिका

### स्टीमशिप, टेलीग्राफ और पूंजीवाद

- **मुख्य अवधारणाएँ**:
- **स्टीमशिप**: समुद्री व्यापार में क्रांति लाकर इसे तेज और सस्ता बनाया।
- **टेलीग्राफ**: तात्कालिक संचार को सक्षम किया, व्यापार में देरी को कम किया।
- **पूंजीवाद**: बाजार अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक व्यापार नेटवर्क का प्रसार।
- **उदाहरण**:
- **ब्रिटिश स्टीमशिप**: भारत और अफ्रीका जैसे उपनिवेशों को वैश्विक बाजारों से जोड़ा।
- **टेलीग्राफ लाइनें**: लंदन को कलकत्ता और अन्य उपनिवेशों से जोड़ा।
- **प्रभाव**:
- **वैश्वीकरण**: यूरोप, एशिया, अफ्रीका और अमेरिका को जोड़ने वाली एकीकृत आर्थिक प्रणाली का निर्माण।
- **औद्योगीकरण**: कच्चे माल और बाजारों तक पहुँचकर यूरोपीय उद्योगों का विस्तार।


© 2023-2025 Copyright SATHEE

**परीक्षा युक्ति: प्रौद्योगिकी (स्टीमशिप, टेलीग्राफ) को पूंजीवाद के प्रसार और वैश्विक व्यापार से जोड़ें।**

### 4. औपनिवेशिक शासन और प्रतिरोध

#### प्रतिरोध आंदोलन

- **मुख्य अवधारणाएँ**:
- **औपनिवेशिक विरोधी विद्रोह**: यूरोपीय शासन का विरोध करने के लिए उपनिवेशित लोगों के प्रयास।
- **सैन्य प्रतिरोध**: औपनिवेशिक शक्तियों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष।
- **उदाहरण**:
- **सिपाही विद्रोह (1857)**: धार्मिक और आर्थिक शिकायतों से प्रेरित ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय सैनिकों (सिपाहियों) का विद्रोह।
- **जुलू प्रतिरोध**: किंग सेत्श्वेयो ने जुलूलैंड के ब्रिटिश अधिग्रहण के खिलाफ नेतृत्व किया।
- **बॉक्सर विद्रोह (1899–1901)**: चीनी किसानों ने विदेशी मिशनरियों और व्यापारियों पर हमला किया।
- **प्रभाव**:
- **औपनिवेशिक दमन**: यूरोपीय शक्तियों ने विद्रोहों को कुचलने के लिए सैन्य बल का उपयोग किया।
- **दीर्घकालिक प्रभाव**: प्रतिरोध ने भविष्य के स्वतंत्रता आंदोलनों को प्रेरित किया।

**परीक्षा युक्ति: सिपाही विद्रोह के कारणों (जैसे, एनफील्ड राइफल्स, व्यपगत का सिद्धांत) और इसके परिणाम (ब्रिटिश शक्ति का समेकन) पर ध्यान दें।**

### 5. स्वदेशी समाजों पर औपनिवेशिकता का प्रभाव

#### सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवधान

- **मुख्य अवधारणाएँ**:
- **सांस्कृतिक व्यवधान**: पारंपरिक भाषाओं, धर्मों और प्रथाओं का नुकसान।
- **सामाजिक परिवर्तन**: उपनिवेशवादियों के साथ सहयोग करने वाले नए सामाजिक वर्गों (जैसे, अभिजात वर्ग) का निर्माण।
- **आर्थिक व्यवधान**: स्वदेशी अर्थव्यवस्थाओं का विनाश और निर्भरता का सृजन।
- **उदाहरण**:
- **भारत की सामाजिक संरचना**: ब्रिटिश शिक्षा और नीतियों ने अंग्रेजी-शिक्षित अभिजात वर्ग का निर्माण किया।
- **अफ्रीकी संस्कृतियाँ**: पारंपरिक शासन प्रणालियों को औपनिवेशिक प्रशासन द्वारा प्रतिस्थापित किया गया।
- **दीर्घकालिक प्रभाव**:
- **उत्तर-औपनिवेशिक राष्ट्र**: कई देशों को आजादी के बाद अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के पुनर्निर्माण में चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- **सांस्कृतिक संकरता**: कला, भाषा और धर्म में स्वदेशी और औपनिवेशिक संस्कृतियों का सम्मिश्रण।


© 2023-2025 Copyright SATHEE

**परीक्षा युक्ति: औपनिवेशिकता के दोहरे प्रभाव (शोषण बनाम सांस्कृतिक आदान-प्रदान) और इसके दीर्घकालिक परिणामों को उजागर करें।**

**परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण बिंदु**:
- **बर्लिन सम्मेलन** (1884–1885) और **अफ्रीका के लिए होड़**।
- **रेलवे, टेलीग्राफ और स्टीमशिप की भूमिका** वैश्वीकरण में।
- **सिपाही विद्रोह** एक प्रमुख प्रतिरोध आंदोलन के रूप में।
- **उपनिवेशों का आर्थिक शोषण** और स्वदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर इसके प्रभाव।
- **औपनिवेशिक शासन के कारण सांस्कृतिक और सामाजिक व्यवधान**।

**संभावित प्रश्न**:
1. **अफ्रीका के लिए होड़** के पीछे के कारणों की व्याख्या करें।
2. **वैश्विक व्यापार के विस्तार में प्रौद्योगिकी की भूमिका** का वर्णन करें।
3. **स्वदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर औपनिवेशिक शासन के प्रभाव** क्या थे?
4. **सिपाही विद्रोह** ने ब्रिटिश औपनिवेशिक नीति को कैसे प्रभावित किया, इस पर चर्चा करें।
5. औपनिवेशिकता ने **स्वदेशी संस्कृतियों को कैसे विघटित किया**?

**नोट्स समाप्त**

{}

## बर्लिन सम्मेलन (1884–1885) का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?

1. [ ] अफ्रीकी देशों के बीच व्यापार संधियों की स्थापना करना
2. [x] अफ्रीका को यूरोपीय शक्तियों के बीच विभाजित करना
3. [ ] अफ्रीका में औपनिवेशिक शासन को समाप्त करना
4. [ ] अफ्रीका और यूरोप के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना

SATHEE

## निम्नलिखित में से कौन सा अफ्रीका के लिए होड़ का कारण नहीं था?

1. [x] संसाधनों के लिए यूरोपीय प्रतिस्पर्धा को कम करना
2. [ ] आर्थिक उद्देश्य (जैसे, कच्चे माल तक पहुंच)
3. [ ] तकनीकी श्रेष्ठता (जैसे, रेलवे, स्टीमशिप)
4. [ ] राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और साम्राज्यवादी प्रतिद्वंद्विता

## औपनिवेशिक शासन के तहत रेलवे ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में कैसे योगदान दिया?

1. [ ] नकदी फसलों की आवश्यकता को कम करके
2. [ ] उपनिवेशों को वैश्विक बाजारों से अलग करके
3. [x] उपनिवेशों को यूरोपीय बाजारों से जोड़कर
4. [ ] टेलीग्राफ प्रणालियों की आवश्यकता को समाप्त करके


© 2023-2025 Copyright SATHEE

## उपनिवेशों में नकदी फसल अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव का एक प्रमुख परिणाम क्या था?

1. [ ] स्थानीय उद्योगों में आत्मनिर्भरता में वृद्धि
2. [x] पारंपरिक स्वावलंबी कृषि में गिरावट
3. [ ] स्वदेशी वस्त्र उद्योगों का संरक्षण
4. [ ] औपनिवेशिक व्यापार नेटवर्क का उन्मूलन

## निष्क्रियता सिद्धांत और धार्मिक शिकायतों से कौन सी घटना सबसे अधिक जुड़ी है?

1. [ ] बॉक्सर विद्रोह
2. [x] सिपाही विद्रोह
3. [ ] जूलू प्रतिरोध
4. [ ] अफ्रीका का विभाजन

## स्टीमशिप और टेलीग्राफ ने सामूहिक रूप से वैश्विक व्यापार को कैसे प्रभावित किया?

1. [ ] संचार और परिवहन को धीमा करके
2. [ ] क्षेत्रीय व्यापार बाधाएँ बनाकर
3. [x] तेज़ और सस्ता वैश्विक व्यापार सक्षम करके
4. [ ] व्यापार में पूंजीवाद की भूमिका को कम करके

## अफ्रीका में औपनिवेशिक शासन के कारण एक प्रमुख सांस्कृतिक व्यवधान क्या था?

1. [ ] पारंपरिक शासन प्रणालियों का संरक्षण
2. [x] स्वदेशी धर्मों को ईसाई धर्म से प्रतिस्थापित करना
3. [ ] शिक्षा में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहित करना
4. [ ] सभी विदेशी सांस्कृतिक प्रभावों का उन्मूलन

## निम्नलिखित में से कौन सा औपनिवेशिक शासन के तहत आर्थिक शोषण का उदाहरण है?

1. [ ] स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहित करना
2. [x] कोंगो के रबर उद्योग में जबरन श्रम
3. [ ] नकदी फसल उत्पादन में कमी
4. [ ] स्थानीय बाजारों को यूरोपीय सामानों से सुरक्षित रखना


© 2023-2025 Copyright SATHEE

## पाठ में उजागर उपनिवेशवाद का कौन सा दीर्घकालिक प्रभाव है?

1. [ ] पूर्व उपनिवेशों का तीव्र औद्योगीकरण
2. [x] उत्तर-औपनिवेशिक आर्थिक पुनर्निर्माण में चुनौतियाँ
3. [ ] सांस्कृतिक संकरता का उन्मूलन
4. [ ] औपनिवेशिक भाषाओं का पूर्ण उन्मूलन

## उपनिवेशवाद ने स्वदेशी समाजों को कैसे प्रभावित किया?

1. [ ] केवल आर्थिक शोषण के माध्यम से
2. [x] शोषण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान दोनों के माध्यम से
3. [ ] स्वशासन को बढ़ावा देकर
4. [ ] सभी प्रकार की सांस्कृतिक परंपराओं को समाप्त करके {}

SATHEE


© 2023-2025 Copyright SATHEE